पाठ्यक्रम संरचना
सत्र 2019–20
कक्षा – XII
विषय – राजनीति विज्ञान (N-103)

पूर्णांक– 100 सैद्धांतिक – 80

प्रायोजना – 20

क्र.	इकाई एवं पाठ्यवस्तु	आबंटित अंक	कालखण्ड
	(A) समकालीन विश्व राजनीति	40	110
1.	1. शीतयुद्ध का दौर	12	14
2.	2. दो ध्रुवीयता का अंत		13
3.	3. समकालीन विश्व में अमरीकी वर्चस्व	12	13
4.	4. सत्ता के वैकल्पिक केन्द्र		11
5.	5. समकालीन दक्षिण एशिया		13
6.	6. अंतर्राष्ट्रीय संगठन	08	13
7.	7. समकालीन विश्व में सुरक्षा		11
8.	8. पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन	08	11
9.	9. वैश्वीकरण		11
	(B) स्वतंत्र भारत में राजनीति	40	110
10.	10. राष्ट्र निर्माण की चुनौतियां	12	13
11.	11. एक दल के प्रभुत्व का दौर		12
12.	12. नियोजित विकास की राजनीति		11
13.	13. भारत के विदश संबंध	06	13
14.	14. कांग्रेस प्रणाली : चुनौतियाँ एवं पुर्नस्थापना	10	13
15.	15. लोकतांत्रिक व्यवस्था का संकट		13
16.	16. जन आंदोलनों का उदय	12	11
17.	17. क्षेत्रीय आकांक्षाएँ		11
18.	18. भारतीय राजनीति : नए बदलाव		13
योग		80	220
प्रोजेक्ट कार्य		20	20
महायोग		100	240

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर

पाठ्यक्रम (2019–20)
कक्षा 12वी
विषय – राजनीति विज्ञान (103)

पूर्णांक 100 अंक

सैध्दांतिक 80 अंक
प्रायोगिक 20 अंक

इकाई	विषयवस्तु	आबंटित अंक	निर्धारित कालखण्ड

भाग–I समकालीन विश्व राजनीति –(40 अंक)

इकाई 1 12

अध्याय 1. शीतयुद्ध का दौर 06 14

परिचय, क्यूबा का मिसाइल संकट, शीतयुद्ध क्या है?, दो ध्रुवीय विश्व का आरंभ, शीतयुद्ध के दायरे, दो ध्रुवीयता को चुनौती– गुटनिरपेक्षता, नव अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था, भारत और शीतयुद्ध।

अध्याय 2. दो ध्रुवीयता का अंत 06 13

परिचय, सोवियत प्रणाली क्या थी? गोर्बाचेव और सोवियत संघ का विघटन, सोवियत संघ का विघटन क्यों हुआ? विघटन की परिणतियाँ, साम्यवादी शासन के बाद 'शॉक थेरेपी', 'शॉक थेरेपी' के परिणाम, संघर्ष और तनाव, पूर्व साम्यवादी देश और भारत।

इकाई 2 12

अध्याय 3. समकालीन विश्व में अमरीकी वर्चस्व 02 13

परिचय, आयशा, जाबू और आंद्रेई, नयी विश्व– व्यवस्था की शुरूआत, क्लिंटन का दौर, 9/11 और 'आंतकवाद के विरूद्ध विश्वव्यापी– व्यापी युद्ध', इराक पर आक्रमण, क्या होता है, वर्चस्व का अर्थ ? वर्चस्व– सैन्य शक्ति के अर्थ में, वर्चस्व– ढाँचागत ताकत के अर्थ में, वर्चस्व – सांस्कृतिक अर्थ में, अमरीकी शक्ति के रास्ते में अवरोध, अमरीका से भारत के संबंध, वर्चस्व से कैसे निपटें ?

अध्याय 4. सत्ता के वैकल्पिक केन्द्र 06 11

परिचय, यूरोपीय संघ, दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संगठन (आसियान), चीनी अर्थव्यवस्था का उत्थान, चीन के साथ भारत के संबंध, जापान, दक्षिण कोरिया।

अध्याय 5. समकालीन दक्षिण एशिया 04 13

परिचय, क्या है दक्षिण एशिया? पाकिस्तान में सेना और लोकतंत्र, बांग्लादेश में लोकतंत्र, नेपाल मे राजतंत्र और लोकतंत्र, श्रीलंका में जातीय संघर्ष और लोकतंत्र, भारत– पाकिस्तान संघर्ष, भारत और उसके अन्य पड़ोसी देश, शांति और सहयोग

इकाई 3 08

अध्याय 6. अंतर्राष्ट्रीय संगठन 06 13

परिचय, हमें अंतर्राष्ट्रीय संगठन क्यों चाहिये? संयुक्त राष्ट्रसंघ का विकास, शीतयुद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्रसंघ में सुधार, प्रक्रियाओं और ढाँचे में सुधार, संयुक्त राष्ट्रसंघ का न्यायाधिकार, संयुक्त राष्ट्रसंघ में सुधार और भारत, एक–ध्रुवीय विश्व में संयुक्त राष्ट्रसंघ।

अध्याय 7. समकालीन विश्व में सुरक्षा 02 11

परिचय, सुरक्षा क्या है?, पारंपरिक धारणा–बाहरी सुरक्षा, पारंपरिक धारणा–आंतरिक सुरक्षा, सुरक्षा के पारंपरिक तरीके, सुरक्षा की अपारंपरिक धारणा, खतरे के नये स्त्रोत, मानवाधिकार, सहयोगमूलक सुरक्षा, भारत–सुरक्षा की रणनीतियाँ।

इकाई	विषयवस्तु	आबंटित अंक	निर्धारित कालखण्ड
इकाई 4		08	
	अध्याय 8. पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन	05	11

परिचय, वैश्विक राजनीति में पर्यावरण की चिंता क्यों? विश्व की साझी संपदा की सुरक्षा, साझी परंतु अलग–अलग जिम्मेदारियाँ, साझी संपदा, पर्यावरण के मसले पर भारत का पक्ष, पर्यावरण आंदोलन–एक या अनेक, संसाधनों की भू– राजनीति, मूलवासी (Indigenous People) और उनके अधिकार।

	अध्याय 9. वैश्वीकरण	03	11

परिचय, वैश्वीकरण की अवधारणा, वैश्वीकरण के कारण, राजनीतिक प्रभाव, आर्थिक प्रभाव, सांस्कृतिक प्रभाव, भारत और वैश्वीकरण, वैश्वीकरण का प्रतिरोध, भारत और वैश्वीकरण का प्रतिरोध।

भाग–II स्वतंत्र भारत में राजनीति – (40 अंक)

इकाई 5		12	
अध्याय 10. राष्ट्र– निमार्ण की चुनौतियाँ –		05	13

नए राष्ट्र की चुनौतियाँ, विभाजन : विस्थापन और पुनर्वास, विभाजन की प्रक्रिया, विभाजन के परिणाम, **रजवाड़ों का विलय–** समस्या, सरकार का नजरिया, हैदराबाद, मणिपुर, **राज्यों का पुनर्गठन**

अध्याय 11. एक दल के प्रभुत्व का दौर		05	12

लोकतंत्र स्थापित करने की चुनौती, पहलें तीन चुनावों में कांग्रेस का प्रभुत्व, सोशलिस्ट पार्टी, कांग्रेस के प्रभुत्व **की** प्रकृति, **कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया**, गुटों में तालमेल और सहनशीलता, भारतीय जनसंघ, विपक्षी पार्टियों **का** उद्‌भव, स्वतंत्र पार्टी।

अध्याय 12. नियोजित विकास की राजनीति		02	11

राजनीतिक फैसले और विकास, राजनीतिक टकराव, विकास **की** धारणाएँ, **योजना आयोग, शुरुआती कदम–** प्रथम पंचवर्षीय योजना, आद्योगीकरण की तेज रफ्तार, **मुख्य विवाद–** कृषि बनाम उद्योग, निजी क्षेत्र बनाम सार्वजनिक क्षेत्र, **मुख्य परिणाम–** बुनियाद, भूमि सुधार, खाद्य संकट, हरित क्रांति, श्वेत क्रांति, बाद के बदलाव।

इकाई 6		06	
अध्याय 13. भारत के विदेश संबंध		06	13

अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ, गुटनिरपेक्षता की नीति– नेहरू **की** भूमिका, दो खेमों से दूरी, एफ्रो एशियाई एकता, **चीन के साथ शांति और संघर्ष–** चीन का आक्रमण, 1962, **तिब्बत, पाकिस्तान के साथ युद्ध और शांति, बांग्लादेश युद्ध,1971, भारत की परमाणु नीति।**

इकाई 7		10	
अध्याय 14. कांग्रेस प्रणाली : चुनौतियाँ और पुनर्स्थापना		06	13

राजनीतिक उत्तराधिकार की चुनौती– नेहरू के बाद शास्त्री, शास्त्री के बाद इंदिरा गाँधी, चौथा आम चुनाव, 1967–चुनावों का संदर्भ, गैर–कांग्रेसवाद, चुनाव का जनादेश, गठबंधन, दल–बदल, **कांग्रेस में विभाजन**, इंदिरा बनाम सिंडिकेट, राष्ट्रपति पद का चुनाव, 1969, **1971 का चुनाव और कांग्रेस का पुनर्स्थापन–** मुकाबला, परिणाम और उसके बाद ....., कांग्रेस प्रणाली **का** पुनर्स्थापन

अध्याय 15. लोकतांत्रिक व्यवस्था का संकट		04	13

आपातकाल की पृष्ठभूमि– आर्थिक संदर्भ, गुजरात और बिहार के आंदोलन, **नक्सलवादी आंदोलन**, न्यायपालिका से संघर्ष, **आपातकाल की घोषणा**, संकट और सरकार का फैसला, परिणाम, आपातकाल के संदर्भ में विवाद, क्या 'आपातकाल' जरूरी था? आपातकाल के दौरान क्या–क्या हुआ? आपातकाल के सबक, **आपातकाल के बाद की राजनीति**, लोकसभा के चुनाव–1977, जनता सरकार, विरासत।

इकाई	विषयवस्तु	आबंटित अंक	निर्धारित कालखण्ड
इकाई 8		12	
अध्याय 16.	जन आंदोलनों का उदय	04	11

जन आंदोलनों की **प्रकृति**, चिपको आंदोलन, दल–आधारित आंदोलन, राजनीतिक दलों से स्वतंत्र आंदोलन, **दलित पैंथर्स**– उदय, गतिविधि, **भारतीय किसान यूनियन**– उदय, विशेषताएँ, **ताड़ी–विरोधी आंदोलन**– उदय, आंदोलन की कड़ियाँ, **नर्मदा बचाओ आदोलन,**– सरदार सरोवर परियोजना, वाद–विवाद और संघर्ष, **जन आंदोलन के सबक**, सूचना के अधिकार का आंदोलन।

अध्याय 17.	क्षेत्रीय आकांक्षाएँ	06	11

क्षेत्र और राष्ट्र, भारत सरकार का नजरिया, तनाव के दायरे, **जम्मू एवं कश्मीर**– समस्या की जड़ें, द्रविड़ आंदोलन, बाहरी और आंतरिक विवाद, राजनीति : 1948 के बाद से, विद्रोही तेवर और उसके बाद, अलगाववाद और उसके बाद, **पंजाब**– राजनीतिक संदर्भ, हिंसा का चक्र, शांति की ओर, **पूर्वोत्तर**, स्वायत्तता की मांग, अलगाववादी आंदोलन, **बाहरी लोगों के खिलाफ़ आंदोलन, समाहार और राष्ट्रीय अखंडता,** सिक्किम का विलय गोवा की मुक्ति।

अध्याय 18.	भारतीय राजनीति : नए बदलाव	02	13

1990 का दशक, गठबंधन का युग, कांग्रेस का पतन, गठबधन की राजनीति, **केन्द्रीय सरकार 1989 के बाद अन्य पिछड़ा वर्ग का राजनीतिक उदय,** मंडल आयोग, राजनीतिक परिणाम, **सांप्रदायिकता, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र**, अयोध्या विवाद, गुजरात के दंगे, **एक नयी सहमति का उदय**, 2004 के लोकसभा चुनाव, बढ़ती सहमति,

योग	20	220
प्रायोजना	20	20
महायोग	100	240

परिशिष्ट – **B**

प्रायोजना कार्य की मूल्यांकन योजना
सत्र – 2019–20
प्रायोजना कार्य
विषय – राजनीति विज्ञान (N-103)
कक्षा – XII

कुल अंक – 20

स.क्र. S.No.	विषयवस्तु (Heading)	अंक Marks allotted
1.	Project Work	10 अंक
2.	Viva - Voce	10 अंक
	योग	20 अंक

- प्रोजेक्ट कार्य व्यक्तिगत/सामूहिक (4–5 के समूह में) हो सकता है।
- प्रोजेक्ट कार्य – पाठ्यक्रम में दिये गये किसी भी पाठ से संबंधित हो सकता है। भूमिका/प्रहसन/प्रस्तुतीकरण/प्रादर्श/क्षेत्रीय सर्वे/मॉक ड्रिल/मॉक इवेंट/दिखावटी घटना (वार्तालाप निर्वहन गतिविधि)।